Thermal power project at Kayamkulam

542. SHRI THOMAS KUTHIRAVATTOM: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) what is the present position of NTPC's thermal power project at Kayamkulam;

(b) what is the estimated cost of the project; and

(c) by when the project construction work is likely to be started?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI KALPNATH RAI): (a) The Feasibility Report submitted by the National Thermal Power Corporation for the setting up of the Kayamkulam Super Thermal Power Project Stage-I (2x210 MW) has been techno-economically appraised by the Central Electricity Authority and the project has been identified for implementation with Soviet assistance.

(b) The estimated cost of the project is Rs. 774.73 crores.

(c) The construction work could be taken up after the investment approval is accorded to the project by the Government.

कोयले के मूल्य तथा रेल माल-भाड़े में वृद्धि के कारण बिजलीघरों को होने वाली कठिनाईयां

543. **श्री बीजी इर्शादबेग :** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोयले के मूल्यों में तथा रेल माल-भाड़े में वृद्धि के कारण बिजली घरों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और यदि हां, तो इस मामले में क्या कार्यवाही की की गई है ; और

(ख) क्या इस संबंध में गुजरात सरकार से कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है और यदि हां, तो इस संबंध में क्या कदम उठाए जाने का विचार है ?

ऊर्जा मंत्रालय में कोयला विभाग में राज्य मंत्री (श्री सी०के० जाफर शरीफ) : (क)और(ख) मई, 1988 में कोयले से संबंधित समस्यायें , जिसमें कोयले की कीमत और रेल-भाड़ा भी शामिल है, से संबंधित एक अभ्यावेदन गुजरात विद्युत बोर्ड से प्राप्त हुआ था । जनवरी, 1989 में आयोजित राज्य विद्युत मंत्रियों के सम्मेलन में, कोयले के मूल्य के मामले को भी गुजरात सरकार द्वारा उठाया गया था । कोयले की कीमत और रेलवे के भाड़े में वृद्धि, जोकि इन क्षेत्रों की आगतो की लागत में हुई वृद्धि के कारण आवश्यक हो गयी थी, से और इसके कारण बिजली के उत्पादन की लागत में भी वृद्धि हुई । ऐसे विद्युत स्टेशनों को छोड़कर, जोकि कोयले की आपूर्ति किए जाने के स्रोतों के काफी दूरी पर हैं, इस संबंध में पड़ने वाला बोझ काफी नहीं होगा । विद्युत उत्पादन की लागत में हुई वृद्धि की स्थिति से निपटने के लिए राज्य विद्युत बोर्ड के पास विद्युत शुल्क बढ़ाए जाने का विकल्प है जो कि वे समय समय पर ऐसी स्थिति से निपटने के लिए लगाते रहे हैं ।

Linking of Gas bearing areas in Krishna-Godavari Basin

544. DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY:

SHRI BASUDEB MOHAPATRA :

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that ONGC is planning to set up gas grids in different regions to utilise the gas optimally;

(b) whether it is also a fact that gas bearing areas in Krishan Godavari basin of Andhra Pradesh are to be connected by 150 km long gas trunk pipeline; and

(c) if so. what is the estimated cost for laying the said pipeline and

what steps are being taken for early implementation of the project so as to hasten industrial growth and gas based electricity production in the area?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI BRAHM DUTT): (a) There is no proposal at present to set up inter state regional gas grids. The only interstate gas pipeline so far set up is the HBJ Pipeline.

(b) and (c) ONGC have aleready laid a pipeline from Narsapur to Kovvur for supplying gas to various consumers. Additional pipelines would be laid as and when required for supplying gas to new consumers.

A commitment of 0.4 MMCMD of gas has been made for APSEB's proposed gas basd power project. ONGC would be able to start supply of gas to APSEB when they are ready to lift the gas.

राजस्थान में पेट्रोल/डीजल की खुदरा दुकानों का खोला जाना

545. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक** गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 31 मार्च, 1989 तक राजस्थान में पैट्रोल/डीजल की जिलावार कितनी खुदरा दुकानें खोली गयीं ;

(ख) निकट भविष्य में कितनी खुदरा दुकानें खोलने का विचार है ;

(ग) क्या सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में इन पदार्थों की तेजी से बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए वर्तमान स्थिति पर पुनर्विचार करेगी ; और

(घ) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त) : (क) 31 मार्च, 1989 को राजस्थान में कार्यरत खुदरा केन्द्रों (मोटर स्प्रिट/हाई स्पीड डीजल) की कुल संख्या 833 थी । इनका जिलावार ब्यौरा विवरण में दिया गया है ।

(ख) 1987–88 तक की तेल उद्योग की वार्षिक खुदरा विपणन योजना के अन्तर्गत तेल कंपनियों द्वारा राजस्थान में 99 और खुदरा केन्द्र (मोटर स्प्रिट/हाई स्पीड डीजल) स्थापित करने की योजनायें हैं । इनमें से 30 स्थानों के लिए तेल कंपनियों द्वारा पहले ही आशय पत्र जारी किये जा चुके हैं ।

(ग) और (घ) तेल उद्योग लगातार सर्वेक्षण करवाता रहता है और मांग और दूरी के मानदंडों के अनुसार व्यवहार्य पाए गए स्थानों को खुदरा बिक्री केन्द्र खोलने के लिए तेल उद्योग की वार्षिक खुदरा विपणन योजनाओं में शामिल किया जाता है ।

विवरण

क्रम सं०	जिले का नाम	खुदरा बिक्री केन्द्रों की संख्या
1.	अजमेर	45
2.	अलवर	39
3.	बाडमेर	15
4.	बनासवाड़ा	8
5.	बीकानेर	25
6.	भरतपुर	31
7.	भीलवाड़ा	26
8.	बूंदी	14
9.	बलोटरा	1
10.	चित्तोड़ गढ़	21
11.	चूरू	15
12.	डूंगरपुर	6
13.	धौलपुर	11
14.	जयपुर	120
15.	जालौर	25
16.	जैसलमेर	6
17.	झुन झुनू	17